क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक

क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 81, सोमवार, 15 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

महबूबा का प्रधानमंत्री पर पलटवार, कहा- अपने विनाशकारी एजेंडे से देश को बांटना चाहते हैं मोदी

नेशनल डेस्क। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया है। उन्होंने जम्मू कश्मीर के कठुआ में पीएम द्वारा की गई टिप्पणी पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा मुस्लिमों और अल्पसंख्यकों को बाहर करने के अपने विनाशकारी एजेंडे से देश को बांटना चाहती है। पीडीपी अध्यक्ष ने ट्वीट कर लिखा कि क्यों प्रधानमंत्री चुनाव से पहले राजनीतिक परिवारों पर हमले करते हैं और चुनाव के बाद गठबंधन करने के लिए दूत भेजते हैं? 99 में नेशनल कान्फ्रेंस और 2015 में पीडीपी। उन्होंने तब अनुच्छेद 370 पर सत्ता को क्यों चुना? महबूबा ने आरोप लगाया कि भाजपा मुस्लिमों और अल्पसंख्यकों को बाहर करने के अपने विनाशकारी एजेंडे से भारत को बांटना चाहती है। दरअसल प्रधानमंत्री ने कठुआ में एक चुनावी रैली में अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवारों पर यह कहते हुए हमला बोला कि दोनों परिवारों ने जम्मू कश्मीर की तीन पीढ़ियों को बर्बाद कर दिया और वह उन्हें भारत को बांटने नहीं देंगे।मोदी ने कहा कि जम्मू कश्मीर का उज्ज्वल भविष्य उनके हटने के बाद ही सुनिश्चित किया जा सकता है। वे अपने पूरे कुनबे को मैदान में ला सकते हैं, जितना चाहें मोदी को बुरा भला कह सकते हैं लेकिन वे इस देश को बांट नहीं पाएंगे।'' उन्होंने कहा कि राज्य के बेहतर भविष्य के लिए उन्हें सत्ता से बाहर किये जाने की जरुरत है। यद्यपि राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा जिनकी पार्टी 2015 से 2018 तक भाजपा के साथ गठबंधन में राज्य में सत्ता में थी, ने कहा कि प्रधानमंत्री चुनाव से पहले राजनीतिक परिवारों पर हमले करते हैं और चुनाव के बाद गठबंधन करने के लिए दूत भेजते हैं।

क्रिकेटर रविंद्र जडेजा के पिता और बहन कांग्रेस में शामिल

नेशनल डेस्क। क्रिकेटर रविंद्र जडेजा की बहन और पिता रविवार को कांग्रेस में शामिल हो गए हैं, जबकि जडेजा की पत्नी ने पिछले दिनों भाजपा का दामन थामा था। सूत्रों की मानें तो रीवाबा के कारण जडेजा के परिवार में विभाजन की रेखा खिंच गई हैं। रविवार को जामनगर लोकसभा में बैठक पर प्रचार करने के लिए कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल कालावड आए हुए थे। इस जनसभा में रविंद्र जडेजा के पिता अनिरुद्ध सिंह जडेजा और बहन नयनाबा जडेजा कांग्रेस में शामिल हो गए। इस प्रकार एक ही परिवार में भाजपा और कांग्रेस में होने के कारण रविंद्र जडेजा पत्नी को समर्थन देंगे या अपने पिता-बहन को इसकी चर्चा होने लगी है। गौरतलब है कि रविंद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा कुछ दिनों पहले भाजपा में शामिल हुई थीं। इस दौरान रीवाबा ने पीएम मोदी की जमकर तारीफ की थी। भाजपा की ओर से उन्हें जामनगर से लोकसभा के टिकट का भी दावेदार माना जा रहा था। लेकिन अंत में भाजपा ने जामनगर के मौजूदा सांसद विक्रम माडम को टिकट दिया।

कठुआ में मोदी के बोल

अब्दुल्ला और मुफ्ती फैमिली ने जम्मू-कश्मीर को किया तबाह : पीएम मोदी

कठुआ (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र ने रविवारो को कठुआ में एक बड़ी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर में सत्तासीन रहे दो बड़े दलों नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी पर जमकर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की तीन-तीन पीढ़ियों को इन दो परिवारों ने तबाह करके रख दिया। उन्होंने वोटरों से दोनों दलों को जम्मू-कश्मीर से उखाड़ फेंकने की अपील की। मोदी ने इस दौरान कांग्रेस को भी निशाने पर लिया और आरोप लगाया कि वह पाक परस्त अलगाववादियों को लेकर नरम है। पीएम ने दावा किया कि इस बार 2014 से बड़ी लहर है और बीजेपी को कांग्रेस से तीन गुनी ज्यादा सीटें मिलेंगी। नैशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी को निशाने पर लेते हुए पीएम ने कहा, मुफ्ती और अब्दुल्ला परिवार से मैं कहना चाहता हूं... यह मोदी है, य ना डरता है, ना झुकता है और ना ही बिकता है। इस दौरान पीएम ने लोगों से कहा कि सूबे की बेहतरी के लिए इन दोनों परिवारों की विदाई जरूरी है। उन्होंने कहा, ये दो परिवार पूरे कुनबे को मैदान में उतार दें, चाचा, मामा, भाई, भतीजा, भांजा, साला... जितनी गालियां मोदी को देनी हैं, दे दो। पर, इस देश के टुकड़े नहीं कर पाओगे। कांग्रेस पर बरसते हुए पीएम ने कहा, कांग्रेस कह रही है कि वह सत्ता में आई तो सेना के अधिकार छीन लेगी। ये जम्मू-कश्मीर से सेना हटाना चाहते हैं। ये सेना का मनोबल तोड़ने की साजिश है। पर, ये इस बात को भूल गए हैं कि इनके और इनकी इस सोच के बीच मोदी दीवार की तरह खड़ा है। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर की तीन-तीन पीढ़ियों को इन दो परिवारों ने तबाह किया है, नोच लिया है, निचोड़ लिया है। जम्मू कश्मीर के उज्ज्वल भविष्य के लिए इन दोनों परिवार को विदाई होनी चाहिए। ये दो परिवार पूरे कुनबे को मैदान में उतार दें, चाचा, मामा, भाई, भतीजा, भांजा, साला... जितनी गालियां मोदी को देनी हैं, दे दो। इस देश के टुकड़े नहीं कर पाओगे। एयर स्ट्राइक का मुद्दा उठाते हुए भी पीएम ने विपक्ष को घेरा। पीएम ने कहा कि जब हम एयर स्ट्राइक या सर्जिकल स्ट्राइक की बात करते हैं तो पूरे देश को गर्व होता है। हमें सेना पर फक्र होता है। पर, इन्हें (विपक्ष) बौखलाहट होती है। आखिर ऐसा क्यों है। आखिर इन्हें चुनाव में कौन समर्थन कर रहा है, जिस कारण इन्हें ये भाषा बोलनी पड़ रही है। सेना के मुद्दे पर पीएम ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप भी लगाए। पीएम ने दो टूक कहा कि कांग्रेस के लिए सेना का मतलब सिर्फ और सिर्फ कमाई का एक जरिया है। रक्षा सौदों का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि ये सेना का मनोबल तोड़ना चाहते हैं जबकि मेरी सरकार के लिए सेना की ताकत को राष्ट्र की रक्षा में लगाते हैं।

केजरीवाल बोले- मोदी-शाह को हटाने के लिए कुछ भी करेंगे

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर अनिश्चिता के बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी नरेंद्र मोदी और अमित शाह से 'देश को बचाने' के लिए कुछ भी कर सकती है। संसदीय चुनाव में ईवीएम के ठीक तरीके से काम नहीं करने के मुद्दे पर विपक्षी पार्टियों के साथ चर्चा करने के बाद केजरीवाल यहां एक पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। आम आदमी पार्टी (आप) के अध्यक्ष ने कहा, '' देश खतरे में है। हम इसे बचाने के लिए कुछ भी करेंगे। नरेंद्र मोदी और अमित शाह से देश को बचाने के लिए हमारे प्रयास जारी रहेंगे।'' इस मौके पर कांग्रेस नेता एवं वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल भी मौजूद थे। उन्होंने आप के साथ गठबंधन पर सवाल को टाल दिया और यह कहते हुए गेंद केजरीवाल के पाले में डाल दी कि ''वह बेहतर जानते हैं।'' सिब्बल ने कहा, '' आप गठबंधन के बारे में उनसे पूछिए। वह हम से बेहतर जानते हैं।'' वहीं कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, '' आप कांग्रेस का रूख जानते हैं। दिल्ली में तकरीबन गठबंधन हो गया था लेकिन इसे दूसरे राज्यों के साथ जोडऩा ठीक नहीं है।'' ओकुछ वक्त से कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन पर अनिश्चिता बनी हुई है।दिल्ली और हरियाणा में सीट बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बनने के बाद दोनों पार्टियों की बातचीत पटरी से उतर गई थी। कांग्रेस के दिल्ली प्रभारी पीसी चाको ने शुक्रवार को कहा था कि कांग्रेस दिल्ली में अकेले चुनाव लड़ेगी, क्योंकि आप ने 'अव्यावहारिक रूख' अपना लिया है।

संविधान को नष्ट करने की कोशिशें हो रही हैं : प्रियंका गांधी

असम (एजेंसी)।

भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने रविवार को कहा कि आज संविधान का सम्मान नहीं किया जा रहा और इसे नष्ट करने की कोशिशें की जा रही हैं।

संविधान की सम्मान किया जाए

सिलचर से कांग्रेस उम्मीदवार और मौजूदा सांसद सुष्मिता देव के समर्थन में रोडशो करते हुए प्रियंका ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी दुनिया की यात्रा की लेकिन अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बमुश्किल ही थोड़ा बहुत वक्त बिताया है। उन्होंने कहा कि आज महापुरुष बी आर अंबेडकर की जयंती है। उन्होंने संविधान के माध्यम से इस देश की बुनियाद रखी थी। हर नेता की जिम्मेदारी है कि संविधान का सम्मान किया जाए।

भाजपा के घोषणापत्र की आलोचना की

कांग्रेस महासचिव और पूर्वी उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका ने कहा, ''आज आप देख रहे हैं कि संविधान का सम्मान नहीं किया जा रहा और उसे नष्ट करने के प्रयास किये जा रहे हैं।'' भाजपा के घोषणापत्र की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें विभिन्न संस्कृतियों और धर्मों के लिए जगह नहीं है। संविधान के लिए भी कोई सम्मान नहीं है। उन्होंने कहा कि वाराणसी की जनता ने उन्हें बताया कि मोदी ने पिछले पांच साल में वहां किसी के साथ पांच मिनट का वक्त नहीं बिताया है।

पीएम मोदी विदेश में गले मिलते हैं

प्रियंका ने कहा, ''वह अमेरिका गये और लोगों से गले मिले। चीन गये और वहां भी गले मिले। रूस और अफ्रीका जाकर गले मिले। जापान जाकर ड्रम बजाया। पाकिस्तान में बिरयानी खाई।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अपने ही संसदीय क्षेत्र में वह एक बार भी किसी परिवार के यहां उनका हालचाल पूछने नहीं गये।'' प्रियंका ने सुष्मिता देव की तुलना अपनी दादी इंदिरा गांधी से करते हुए कहा, ''अगर आपको आज भी इंदिरा गांधी याद हैं तो ऐसा इसलिए क्योंकि उन्होंने आपके लिए काम किया। मैं यहां सुष्मिता के लिए आई हूं। उनमें इंदिरा जी जैसा साहस है।''

'मोदी मैजिक' और मलखान कांग्रेसी दिग्गज जितिन की राह में बन सकते है रोड़ा

सीतापुर। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की वीवीआईपी सीट में शुमार धौरहरा में कांग्रेस के दिग्गज जितिन प्रसाद की राह में 'मोदी मैजिक' के साथ ही बीहड़ों से निकल कर राजनीति में किस्मत आजमाने वाले पूर्व दस्यु सरगना मलखान सिंह रोड़ा खड़ा कर सकते हैं। मौजूदा चुनाव में विपक्षी दल भले ही इस बार 'मोदी लहर' की संभावना को खारिज कर रहे हो मगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नरेन्द्र मोदी के दम पर इस बार भी चुनावी नैया पार लगाने की पुरजोर कोशिश कर रही है। यही कारण है कि भाजपा की मौजूदा सांसद के विरोध के बावजूद कांग्रेस के दिग्गज नेता को चुनाव जीतने के लिये एड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ रहा है। भाजपा ने निर्वतमान सांसद रेखा वर्मा पर फिर दांव लगाया है, जबकि कांग्रेस ने पूर्व मंत्री जितिन प्रसाद को उनकी इच्छा के अनुरूप प्रत्याशी तो घोषित कर दिया, लेकिन वह मतदाताओं पर अपना जादू नहीं चला पा रहें है वहीं भाजपा प्रत्याशी का क्षेत्र में भारी विरोध तो है, लेकिन केन्द्र में पुनः मोदी सरकार बनाने के लिये लोग भाजपा का समर्थन करने का मन बना रहें है। महाराष्ट्र के कारोबारी अरशद इलियास सिद्दीकी बसपा का झण्डा थाम कर चुनाव मैदान में है, लेकिन उन्हें गठबंधन के दूसरे प्रमुख घटक सपा का पूरी तरह से साथ नहीं मिल पा रहा है। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के टिकट पर चुनाव लड़ रहें पूर्व दस्यु सरगना मलखान सिंह इस बार चुनाव में भारी उलटफेर कर सकते है। मलखान के चुनाव मैदान में आने से सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस प्रत्याशी को हो सकता है,।

कांग्रेस और आप के गठबंधन पर केजरीवाल बोले, मोदी को हराने के लिए कुछ भी करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर अनिश्चिता के बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी नरेंद्र मोदी और अमित शाह से 'देश को बचाने' के लिए कुछ भी कर सकती है. संसदीय चुनाव में ईवीएम के ठीक तरीके से काम नहीं करने के मुद्दे पर विपक्षी पार्टियों के साथ चर्चा करने के बाद केजरीवाल यहां एक पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे. आम आदमी पार्टी (आप) के अध्यक्ष ने कहा, '' देश खतरे में है. हम इसे बचाने के लिए कुछ भी करेंगे. नरेंद्र मोदी और अमित शाह से देश को बचाने के लिए हमारे प्रयास जारी रहेंगे.'' कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, '' आप कांग्रेस का रूख जानते हैं. इस मौके पर कांग्रेस नेता एवं वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल भी मौजूद थे. उन्होंने आप के साथ गठबंधन पर सवाल को टाल दिया और यह कहते हुए गेंद केजरीवाल के पाले में डाल दी कि ''वह बेहतर जानते हैं.'' सिब्बल ने कहा, '' आप गठबंधन के बारे में उनसे पूछिए. वह हम से बेहतर जानते हैं.'' वहीं कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, '' आप कांग्रेस का रूख जानते हैं. दिल्ली में तकरीबन गठबंधन हो गया था लेकिन इसे दूसरे राज्यों के साथ जोड़ना ठीक नहीं है.'' कुछ वक्त से कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन पर अनिश्चिता बनी हुई है. दिल्ली और हरियाणा में सीट बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बनने के बाद दोनों पार्टियों की बातचीत पटरी से उतर गई थी. कांग्रेस के दिल्ली प्रभारी पीसी चाको ने शुक्रवार को कहा था कि कांग्रेस दिल्ली में अकेले चुनाव लड़ेगी, क्योंकि आप ने 'अव्यावहारिक रूख' अपना लिया है

हाथी साइकिल पर सवार है और निशाने पर चौकीदार हैः पीएम मोदी

मुरादाबाद। लोकसभा चुनाव 2019 के दूसरे चरण के प्रचार के लिए पीएम मोदी रविवार को मुरादाबाद पहुंचे. यहां उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, यहां महा विलावट की महागिरावट पक की है. विपक्ष के नेताओं को इस समय एक ही काम रह गया है मोदी को गाली देना. इसी कारण मैं गालीप्रूफ हो गया हूं. मुरादाबाद की रैली में पीएम मोदी ने एक बार फिर से तीन तलाक का मुद्दा उठाते हुए कहा, हम फिर से संसद में तीन तलाक का बिल लेकर आएंगे. रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, यहां का जो पीतल उद्योग है, उसके विकास के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं. योगी जी की सरकार पहले ही एक जनपद, एक उत्पाद योजना चला रही है. इसके तहत कच्चे माल, डिजाइन, परीक्षण, प्रदर्शन और मार्केटिंग जैसी सुविधाएं दे रही है यहाँ की चीनी मिलें किसानों का बकाया चुकाने को लेकर भी कुछ ना कुछ परेशानी कर रही हैं. वे भी कान खोलकर सुन लें चुनाव ख़त्म होने के बाद आपकी बारी आएगी. उन्होंने कहा, असल में संकट अस्तित्व का था, इसलिए पहले की सारी गालियां पीछे छूट गईं और नारा बनाया मेरा भी माफ-तुम्हारा भी माफ वरना हो जाएंगे ।

भाजपा विधायक का रणखंडी गांव में उनसे नाराज चल रहे लोगों ने किया विरोध

सहारनपुर (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के देवंबद क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक कुंवर ब्रिजेश रावत से नाराज चल रहे रणखंडी गाँव के लोगों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की और वहां आने पर विरोध जताया। सूत्रों के अनुसार रणखंडी गांव में भाजपा एक बड़ा गुट लगातार विधायक श्री रावत से नाराज चल रहा है। लोग उनकी कार्यप्रणाली और व्यवहार को लेकर संतुष्ट नहीं हैं। शनिवार शाम श्री रावत गांव में एक फौजी अरुण पुण्डीर के शहीद होने पर उनके परिजनों को सांत्वना देने के लिए रणखण्डी गांव गए थे । इस दौरान नाराज चल रहे लोगों ने उनकी कार को घेर लिया और उनके खिलाफ नारेबाजी की,लेकिन उन्होंने ने शालीनता का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि इस बीच एक व्यक्ति ने पूरे मामले की वीडियों बना ली और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। विधायक के गाँव से जाने के बाद उनके समथर्क और विरोधी आपस में भिड़ गए। इस घटना में विकास राणा घायल हो गया। कोतवाली प्रभारी देवबंद कुलदीप सिंह ने बताया कि रणखण्डी निवासी राजसिंह ने इस मामले में 6-7 के खिलाफ मामला दर्ज करा दिया है। कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस रिपोर्ट में विधायक के साथ गाली गलौच एवं बदसलूकी किए जाने का कोई उल्लेख नहीं है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में युवा ग्रामीणों की एक भीड़ विधायक की कार को घेर कर गाली गलौच और नारेबाजी करते दिख रहे है।

गौरतलब है कि राजपूत बिरादरी के रणखंडी गाँव के लोगों का काफी समय से विधायक कुंवर ब्रिजेश रावत से मनमुटाव चल रहा है।

ईवीएम मामले पर विपक्ष ने दोबारा उठाया सवाल, 21 पार्टियां खटखटाएगी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विपक्षी दलों के नेताओं ने रविवार को कहा कि वे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की गड़बड़ी और इनसे छेड़छाड़ के मुद्दे को सर्वोच्च न्यायालय में उठाएंगे. यहां 21 राजनैतिक दलों के नेताओं ने मीडिया से कहा कि निर्वाचन आयोग ने मुद्दों को गंभीरता से नहीं लिया है और देश तथा इसके लोगों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है. आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री व तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि लोगों में विश्वास को फिर से बहाल करने के लिए वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) अपरिहार्य है.उन्होंने कहा, ÷मतदाताओं के विश्वास को पेपर ट्रेल के जरिए ही हासिल किया जा सकता है. वीवीपैट, मतदान प्रणाली की शुद्धता को सुनिश्चित करता है.÷ नायडू ने कहा कि तेलंगाना में 25 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए, जिसे बाद में निर्वाचन आयोग ने भी माना. नायडू ने कहा, न्होंने इसे स्वीकार किया और सॉरी कह दिया. क्या इसके लिए इतना ही कह देना काफी है?÷कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में 50 फीसदी ईवीएम की वीवीपैट से मिलान की मांग की जाएगी. उन्होंने कहा, वास्तविक प्रमाणन के बिना ही लाखों मतदाताओं के नाम ऑनलाइन काट दिए गए. दलों ने निर्वाचन आयोग को लंबी सूची दी है. अब तो और भी जरूरी हो गया है कि वीवीपैट की 50 फीसदी पर्चियों का मिलान किया जाए. आयोग निष्पक्षता की हमारी मांग पर ध्यान नहीं दे रहा है. ऐसे में हमारे पास सर्वोच्च न्यायालय की शरण लेने के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचता. दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केवल एक पार्टी वीवीपैट पर्चियों की गिनती के खिलाफ है, क्योंकि ईवीएम की गड़बड़ी से उसे सीधे

लाभ पहुंच रहा है. इस मौके पर कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल, समाजवादी पार्टी तथा वामपंथी दलों के नेता भी मौजूद थे.

संपादकीय

हरकतों से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान

इस पर हैरानी नहीं कि ऐसे तथ्य सामने आ रहे हैं कि पाकिस्तान अपने यहां के आतंकी ढांचे को खत्म करने के लिए कुछ भी नहीं कर रहा है। आतंकी ढांचे को खत्म करने की घोषणा कर कुछ न करना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस तरह की खोखली घोषणाएं कर पाकिस्तानी शासनाध्यक्ष एक अर्से से दुनिया की आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहे हैं। इमरान खान भी पुराने शासकों की राह पर चल रहे हैं और इसके पीछे मकसद है अंतरराष्ट्रीय दबाव से मुक्ति पाना ताकि कर्ज लेने में आसानी हो और एफएटीएफ कोई सख्त रवैया न अपनाए। अभी इस संस्था ने पाकिस्तान को ग्रे सूची में डाल रखा है और यह चेतावनी दी है कि अगर उसने अपने यहां के आतंकी ढांचे को खत्म नहीं किया तो उसे काली सूची में डाला जा सकता है। पाकिस्तान इसी से बचना चाह रहा है और इसीलिए इमरान खान की ओर से पहले यह कहा गया कि वह आतंकी संगठनों पर लगाम लगाएंगे और फिर यह कि आतंकी ढांचा हमारे किसी काम का नहीं। इन बयानों पर यकीन न करने के अच्छे-भले कारण हैं। दो-चार आतंकियों की गिरफ्तारी या नजरबंदी के अलावा पाकिस्तान से ऐसी कोई खबर नहीं आई कि बड़े पैमाने पर जिहादियों की धर-पकड़ की जा रही है। अगर ऐसा कुछ किया गया होता तो उसकी कोई न कोई प्रतिक्रिया अवश्य देखने को मिलती। कहीं कोई प्रतिक्रिया इसीलिए नहीं हुई, क्योंकि आतंकियों के खिलाफ कुछ किया ही नहीं गया। पठानकोट और पुलवामा हमले के लिए जिम्मेदार आतंकी संगठन जैश ए मुहम्मद के सरगना मसूद अजहर के बारे में यही सूचनाएं आ रही हैं कि वह पाकिस्तानी सेना की खुफिया एजेंसी आइएसआइ की सुरक्षा में है। ऐसी ही सूचना एक अन्य आतंकी सरगना दाऊद इब्राहिम के बारे में भी है। यह भी किसी से छिपा नहीं कि लश्करे तैयबा के सरगना हाफिज सईद की नजरबंदी वास्तव में उसकी हिफाजत का इंतजाम है। इन दिनों भारत के राजनीतिक दल इमरान खान के इस बयान की अपने-अपने ढंग से व्याख्या करने में लगे हुए हैं कि अगर नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनते हैं तो भारत से शांतिपूर्ण संबंध कायम होने के आसार हैं। चुनाव के इस मौके पर एक-दूसरे के प्रति हमलावर राजनीतिक दल इमरान खान के इस बयान का मनचाहा मतलब निकालने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन ऐसे आरोप हास्यास्पद ही हैं कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों में कोई समझ-बूझ कायम हो गई है। बेहतर होता कि इस बात को समझा जाता कि इमरान खान के इस बयान का उद्देश्य दुनिया को यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह भारत से संबंध सुधारने के इच्छुक हैं। विश्व समुदाय इमरान खान के इस बयान को चाहे जिस रूप में ले, भारत को सतर्क रहना होगा। इतना ही नहीं, उसे पाकिस्तान को बेनकाब करने की अपनी कोशिश भी जारी रखनी चाहिए। इस क्रम में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि विश्व समुदाय और खासकर एफएटीएफ में असर रखने वाले देश पाकिस्तान के छलावे में न आने पाएं। इसके पूरे आसार हैं कि एफएटीएफ की अगली बैठक में चीन पाकिस्तान के बचाव की कोशिश कर सकता है।

मतदाता का मौन प्रतिरोध

शशि शेखर

ओडिशा में लगभग दो दशक से हुकूमत कर रहे बीजू जनता दल ने अपने ही सूबे के एक थाने में भारतीय जनता पार्टी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। पार्टी का आरोप है कि भाजपा ओडिशा के साढ़े चार करोड़ लोगों को विशेष राज्य के दर्जे के मामले में धोखा दे रही है। बीजू जनता दल के इस करतब ने कुछ सवालों को जन्म दे दिया है। यह ठीक है कि भारतीय जनता पार्टी ने 2014 के घोषणापत्र में ओडिशा को विशेष राज्य का दर्जा देने का वायदा किया था। निस्संदेह, इस आश्वासन को पूरा किया जाना चाहिए था। मगर घोषणापत्रों के आधार पर आपराधिक मामले चलने लगे, तो सभी दलों के प्रमुखतम नेता जेल में पाए जाएंगे। खुद नवीन पटनायक ने पिछले चार चुनावों के दौरान जो आश्वासन दिए हैं, क्या वे शत-प्रतिशत पूरे हो सके हैं? यदि नहीं, तो फिर क्या उनका यह कदम चुनावी तमाशे का हिस्सा नहीं है? लगता तो यही है। अगर नवीन बाबू भारतीय जनता पार्टी से इतने ही खफा थे, तो जब कुछ पार्टियां मौजूदा सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाईं, तब उनकी पार्टी के सांसदों ने लोकसभा से बहिर्गमन क्यों किया? इससे तो केंद्र में सत्तारूढ़ गठबंधन का रास्ता हमवार हो गया था। यही नहीं, इससे पहले राज्यसभा के उप-सभापति और राष्ट्रपति के चुनाव में भी बीजद नई दिल्ली के सत्तानायकों के साथ खड़ा नजर आया था। सुविधानुसार रंग बदलने की यह नीति क्या मतदाताओं के साथ धोखा नहीं है? आप गठबंधन की राजनीति का इतिहास उठाकर देख लीजिए। पता ही नहीं चलेगा कि पुराने दोस्त कब दुश्मन हो गए और दुश्मनी वक्त के साथ तिलिस्मी तरीके से कब दोस्ती में बदल गई? ओडिशा का पड़ोसी राज्य है आंध्र प्रदेश। वहां इस समय चंद्रबाबू नायडू हुकूमत कर रहे हैं। 2014 में नायडू की पार्टी तेलुगू देशम ने भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। 25 में से 18 सीटें जीतकर इस गठबंधन ने जन-साधारण के बीच अपनी स्वीकार्यता साबित कर दी थी। नायडू साल भर पहले तक भाजपा के करीबी माने जाते थे। आंध्र प्रदेश की नई बनने वाली राजधानी अमरावती की नींव उन्होंने प्रधानमंत्री के हाथों रखवाई थी। राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति के चुनाव में भी तेलुगू देशम भाजपा के साथ खड़ी थी, पर मार्च 2018 में उन्होंने भी विशेष राज्य के मुद्दे पर एनडीए से नाता तोड़ लिया। नायडू का आरोप था कि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को समझाने के लिए उन्होंने 29 बार नई दिल्ली के दौरे किए, पर उसके कान पर जूं तक न रेंगी। यही नहीं, चंद्रबाबू नायडू ने पिछले नवंबर में तेलंगाना विधानसभा का चुनाव कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा। दोनों पार्टियां चुनावी रणभूमि में खेत रहीं। अब टीडीपी और कांग्रेस लोकसभा का चुनाव अलग-अलग लड़ रही हैं। दोस्ती और दुश्मनी का यह कायांतरण सिर्फ सियासत में हो सकता है। बीजू जनता दल और तेलुगू देशम के मौजूदा नेता पुराने दिग्गजों के वारिस हैं, पर क्रांतिकारी संघर्ष की भावना से उपजी असम गण परिषद तक इस संक्रामक रोग से अछूती नहीं रही। प्रफुल्ल कुमार महंत ने असम विधानसभा का पिछला चुनाव भगवा दल के गठबंधन से लड़ा था। वह एनडीए में भी सहयोगी थे, लेकिन नागरिकता संशोधन विधेयक का विरोध करते हुए उन्होंने गई जनवरी में खुद को उससे अलग कर दिया था। लग रहा था कि महंत का पुराना तेवर लौट रहा है, परंतु नहीं! लोकसभा चुनाव आते ही भाजपा आलाकमान ने उनकी पीठ सहला दी और वह फिर एनडीए के हमराह बन गए। गठबंधन तोड़ते, मरोड़ते या जोड़ते समय हमारे क्षेत्रीय नेता ये क्यों भूल जाते हैं कि मतदाता के प्रति उनकी कोई नैतिक जिम्मेदारी भी है? असम गण परिषद की तरह ही आम आदमी पार्टी भी वैकल्पिक राजनीति के नारे के नाम पर दिल्ली की हुकूमत में आई थी। उस वक्त देश में मोदी लहर उफान पर थी। ऐसे में केजरीवाल की जीत राजनीति की नई सोच रखने वालों को एक खुशनुमा आश्वासन की तरह लगी थी, पर चार बरस बाद वह उम्मीद मुरझाने लगी है। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में भले ही कुछ लोक-कल्याणकारी काम किए हैं, पर उसका सियासी चिंतन अब किसी अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक दल जैसा हो गया है। जिस कांग्रेस विरोध की नाव पर सवार होकर केजरीवाल यहां तक पहुंचे, अब उसी से गठबंधन की पींगे बढ़ाई जा रही हैं। इससे वैकल्पिक राजनीति का नारा खोखला नहीं साबित हो जाता? दूसरा सवाल, क्या हमारा लोकतंत्र आदर्शों को सरसब्ज होने की इजाजत नहीं देता? तय है, भारतीय राजनेताओं ने सियासी मानदंडों को जमींदोज कर दिया है। आज चाहे एनडीए हो या यूपीए, उनके अधिकांश सहयोगी कभी न कभी उनके विरोध में नारे बुलंद कर चुके हैं। निजी महत्वाकांक्षाओं और सियासी स्वार्थों की ईंटों से बनी गठबंधनों की ये अट्टालिकाएं जन-साधारण के प्रति जिम्मेदारी निभाने की जगह सिर्फ फरेबी तंत्र को पोस सकती हैं। यही वजह है कि 'नोटा' का प्रचलन बढ़ रहा है। चार महीने पहले मध्य प्रदेश के चुनावों ने राजनीतिक दलों की आंखें खोल दी थीं। वहां के 5.05 करोड़ मतदाताओं में से 5.42 लाख ने 'नोटा' का प्रयोग किया था। यदि इतने वोट भारतीय जनता पार्टी को मिल गए होते, तो शिवराज सिंह चौहान चौथी बार भोपाल की राजगद्दी पर विराजमान होते। अगर कांग्रेस इन्हें हासिल करने में कामयाब हो जाती, तो यकीनन उसे स्पष्ट बहुमत मिल गया होता, क्योंकि 44 सीटों पर हार-जीत का अंतर पांच हजार से भी कम था। क्या आपको नहीं लगता कि मौजूदा दलों, नेताओं और गठबंधनों के खिलाफ आम आदमी का यह लोकतांत्रिक प्रतिरोध मजबूत हो रहा है? अगर मौजूदा लोकसभा चुनावों में यह सिलसिला जारी रहा, तो परिणाम चौंकाने वाले हो सकते हैं।

ट्वीट

फायदा

अभी भी देश को याद है कि मोदी जी के नोटबंदी नामक देश के सबसे बड़े भ्रष्टाचार से देश के आम लोगो की क्या हालत कर दी थी। इससबसे बड़े भ्रष्टाचार का सबसे जयादा फायदा मोदीजी के कुछ पुंजीपति मित्रों और भाजपा के कुछ बड़े नेताओ को हुआ था।

शकिल अहमद, पूर्व सांसद कांग्रेस

ज्ञान गंगा

मृत्यु का शोक

जग्गी वासुदेव

जब हम किसी प्रियजन को खोते हैं, चाहे उनकी बीमारी या मृत्यु हो जाए या वे छोड़ कर चले जाएं-चाहे हम किसी भी वजह से उन्हें खोएं, सबसे बड़ी समस्या होती है कि हमारे जीवन में उनकी जो जगह थी, उसमें वे खालीपन छोड़ जाते हैं। हमें समझना चाहिए कि जीवन की प्रकृति ही ऐसी है कि आपको और आपके प्रियजनों को कभी न कभी मृत्यु का शिकार होना ही है। बात बस यह है कि किसकी मृत्यु पहले होगी। सुनने में कठोर लग सकता है, लेकिन मेरा मकसद यह नहीं है। हमारे लिए जानना महत्वपूर्ण है कि हम और हमारे आसपास के लोग यहां हमेशा नहीं रहने वाले। समस्या यही है कि एक डॉक्टर आपसे कहता है कि आप कल मरने वाले हैं, तो हर कोई आपसे अच्छे पेश आता है। अगर आप कहते हैं, ''पचास साल बाद मैं मरने वाला हूं', तो ज्यादातर लोग परवाह नहीं करेंगे। लेकिन हम नहीं जानते कि हम पचास साल बाद मरेंगे या कल। आप जानते हैं कि आप भी मरेंगे और वे भी। बस यह नहीं जानते कि ऐसा कब होगा? इसलिए क्या आपको उनसे अच्छा व्यवहार नहीं करना चाहिए? मैं आपसे अच्छे से पेश आ रहा हूं क्योंकि जानता हूं कि आप मरने वाले हैं। कभी-कभी मैं जानता हूं कि आप कब मरेंगे, कई बार नहीं जानता कि आप कब मरेंगे। मैं बस यह पक्का कर रहा हूं कि मैं आपसे अच्छा व्यवहार करूं क्योंकि आप एक मरने वाले इंसान हैं। कौन जानता है कि आपके घर के बाहर मौजूद पेड़ कब मरेगा या आप कब मरेंगे? आप नहीं जानते। इसलिए जब कोई ऐसा इंसान गुजर जाता है, जो हमें प्रिय होता है, तो पहली बात हमें यह समझनी चाहिए कि वे इसलिए हमें प्यारे होते हैं क्योंकि उन्होंने किसी न किसी या शायद बहुत से रूपों में हमारे जीवन में कुछ जोड़ा होता है। अगर हमारे आस-पास के लोगों ने हमारे जीवन को बेहतर बनाया है, और हम उन्हें याद करते हैं, तो हमें उन्हें खुशी के साथ याद करना चाहिए। उनकी रवानगी को दुखद नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने हमारे जीवन को बेहतर बनाया, हमारे साथ अपनी मिठास बांटी, उसके लिए हमें उनकी कद्र करनी चाहिए। किसी न किसी रूप में कई बार उन्होंने आपको संपूर्ण महसूस कराया, उन्होंने आपके जीवन को पूर्ण किया। उनकी यादों को आपके लिए खुशी और प्रेम के आंसू लेकर आना चाहिए, पीड़ा के नहीं।

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

लोगों ने खूब हंसी उड़ाई मेरी

दैतारी नायक समाज सेवक

ओडिशा के क्योंझर जिले के एक छोटे से गांव बैतरणी में रहने वाले दैतारी ने शुरू से पानी के भारी संकट के कारण भयानक दुश्वारियां झेलीं। गांव में पीने के पानी की भारी किल्लत थी। यही हाल सिंचाई का था। पूरा परिवार साल भर खेतों में मेहनत करता और सिंचाई के समय बारिश नहीं होने की वजह से फसल तबाह हो जाती। गांव में बारिश के अलावा सिंचाई का अन्य साधन नहीं था। दशकों बीत गए, पर हालात नहीं सुधरे। बारिश न होने के कारण भुखमरी के हालात थे। गरीबी की वजह से गांववालों का जीवन बदतर था। बच्चों को न भरपेट भोजन मिलता था और तन पर कपड़े। शिक्षा का हाल भी बुरा था। दैतारी कहते हैं- जब हमारे पास पैसे ही नहीं थे, तो बच्चों को स्कूल कैसे भेजते। तब दो वक्त की रोटी जुटाना ही बड़ी चुनौती थी। दैतारी परेशान थे। आखिर क्या किया जाए? गांववालों से चर्चा की। सबने कहा कि अगर प्रशासन चाहे, तो पहाड़ी रास्ते को काटकर गांव तक नहर लाई जा सकती है। यही एक तरीका है फसलें बचाने का। दैतारी ने गांववालों के संग मिलकर प्रशासन से गुहार लगाई। सरकारी दफ्तरों के तमाम चक्कर काटे, पर कोई सुनवाई नहीं हुई। हर बार वादे किए जाते। कई बार तो अफसरों ने उन्हें डांटकर लौटा दिया। फिर गांववालों ने भी साथ छोड़ दिया। सब निराश थे, अब कुछ नहीं हो सकता। हमें ऐसे ही जीना पड़ेगा। यह बात वर्ष 2010 की है। दैतारी के मन में बड़ी बेचैनी थी। मन में एक ही बात गूंज रही थी। काश, गांव में नहर आ जाए। ऐसा हुआ, तो फसलें अच्छी होंगी, भरपेट खाना मिलेगा, बच्चे स्कूल जाएंगे और गांव के हालात सुधर जाएंगे। वह दिन-रात इसी धुन में थे। एक दिन उन्होंने अपने भाइयों से कहा- क्यों न हम खुद पहाड़ की कटाई शुरू कर दें? यह सुनते ही घरवालों को हंसी आ गई। वे बोले- दादा, पहाड़ काटना मजाक नहीं है। यह हमारे बस की बात नहीं है। दैतारी कहते हैं- खेती के अलावा हमारे पास जीने का कोई सहारा नहीं था। खेत सूख रहे थे। हमारे पास पहाड़ी काटकर नहर लाने का विकल्प था, पर कोई मेरी मदद को तैयार नहीं था। सब भगवान के भरोसे पर जी रहे थे। पर दैतारी ठान चुके थे। चाहे जो हो, हालात तो बदलकर ही रहूंगा। जब घर के लोग उनके साथ नहीं आए, तो एक दिन वह अकेले ही निकल पड़े गोनासिका पहाड़ी को तोड़ने। औजार के नाम पर उनके पास खुरपी और कुदाल थे। पहाड़ी पर चढ़कर सबसे पहले उन्होंने बड़ी-बड़ी झाड़ियां साफ कीं। कई दिन लगे इस काम में। इसके बाद उन्होंने चट्टान को तोड़ना शुरू किया। दिन-रात इस काम में जुटे रहे। देर रात थककर घर लौटते और बिना कुछ कहे-सुने सो जाते। अगली सुबह फिर निकल पड़ते काम पर। अजीब सी धुन सवार हो गई थी उन पर। वह हर हाल में नहर का पानी अपने गांव में लाना चाहते थे। इस बीच परिवार ने कई बार रोका उन्हें। खूब समझाया गया। भाइयों ने कहा- अकेले नहीं होगा आपसे। तबियत खराब हो जाएगी। गांववालों ने उनकी हंसी उड़ाई। सबको लग रहा था एक दिन हारकर वह यह काम बंद कर देंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, दैतारी नहीं रुके। करीब चार महीने तक वह अकेले दम पत्थर तोड़ते रहे। फिर परिवारवालों से नहीं रहा गया। एक दिन वे भी पहाड़ी पर पहुंच गए। वहां का नजारा देखकर वे दंग रह गए। दैतारी ने अकेले दम पहाड़ी का काफी हिस्सा तोड़ दिया था। यह देख परिवार को उम्मीद जगी कि अगर सब मिलकर पहाड़ तोड़ें, तो नहर को गांव तक लाना संभव है। इसके बाद उनके चार भाई और उनके बच्चे चट्टान तोड़ने के काम में जुट गए। सबने फावड़ा-कुदाल उठाया और कहा, हम सब आपकी मदद करेंगे। दैतारी कहते हैं, चार महीने मैं अकेले दम चट्टानें तोड़ता रहा। इसके बाद घरवालों को यकीन हो गया कि नहर निकाली जा सकती है। इसलिए उन्होंने मेरी मदद की। पूरे परिवार ने करीब चार साल तक कड़ी मेहनत की पहाड़ी तोड़ने में। 2014 में उनका सपना पूरा हुआ। वे गांव तक नहर निकालने में सफल रहे। इसके बाद तो मानो गांव में क्रांति-सी आ गई। नहर के पानी से करीब सौ एकड़ जमीन पर सिंचाई होने लगी। किसान धान, सरसों और मक्काउगाने लगे। उनके भाई मायाधर नायक कहते हैं- हमें चार साल लगे नहर लाने में। आज गांववालों के चेहरे पर मुस्कराहट देखता हूं, तो लगता है कि हमारी बड़ी जीत हुई। गांव में नहर पहुंचने के बाद हर तरफ दैतारी की चर्चा होने लगी। लोग यह कारनामा देखकर दंग थे। दूरदराज के लोग भी यह खबर सुनकर उनके गांव पहुंचे और उनके हौसले की तारीफ की। स्थानीय मीडिया में वह 'केनाल मैन' के नाम से मशहूर हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में उनकी तारीफ करते हुए उन्हें सच्चा कर्मयोगी बताया। इस साल उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। दैतारी कहते हैं- यह मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे इतना बड़ा अवॉर्ड मिलेगा। मैं बस यही कहना चाहता हूं कि जब कोई आपकी मदद न करे, तो अकेले ही निकल पड़ो। बाद में सब आपके पीछे आएंगे ही।

प्रस्तुति- मीना त्रिवेदी

27 सालों के निचले स्तर पर खाद्य मुद्रास्फीति

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

वित्त वर्ष 2018-19 में खाद्य मुद्रास्फीति 27 साल के निचले स्तर पर पहुंच गई। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के एक विश्लेषण के मुताबिक, वित्त वर्ष 2018-19 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खाद्य मुद्रास्फीति में महज 0.1 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इससे पहले, सालाना औसत खाद्य मुद्रास्फीति अंतिम बार वित्त वर्ष 1999-2000 में एक फीसदी से नीचे गई थी। अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, खाद्य मुद्रास्फीति में इस गिरावट का कारण बंपर फसल, मांग में कमी, वैश्विक स्तर पर कीमतों में कमी और न्यूनतम समर्थन मूल्यों में बढ़ोतरी का कम असर है। कम तथा स्थिर खाद्य मुद्रास्फीति किसानों को छोड़कर सबके लिए बढ़िया होता है। क्रिसिल के चीफ इकनॉमिक्स डी. के. जोशी ने कहा, मैं इसके लिए दो कारकों को जिम्मेदार मानता हूं-पिछले तीन-चार वर्षों में कृषि उत्पादन में वृद्धि प्रवृत्ति से ऊपर रही है और वैश्विक स्तर पर खाद्य पदार्थों की कीमतें अनुकूल रहीं। जोशी के मुताबिक, मूलतः अधिकांश फसलों का बाजार मूल्य कम होने के कारण एमएसपी में बढ़ोतरी का असर कम रहा है।

उन्होंने कहा, लेकिन आगे चलकर खाद्य मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी होगी और बहुत कुछ मॉनसून पर निर्भर करेगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में ग्रुप चीफ इकनॉमिक अडवाइजर सौम्या कांति घोष ने कहा, पिछले कुछ सालों में खाद्य मुद्रास्फीति में लगातार गिरावट एक प्रवृत्ति सी हो गई है। यह बेहतर आपूर्ति प्रबंधन, अधिक उत्पादन, खरीद मूल्यों में कम बढ़ोतरी और डिमांग शिफ्ट होने जैसे कारकों का मेल है।

आधी सैलरी पर स्पाइसजेट ज्वाइन कर रहे जेट ऐयरवेज के पायलट और इंजीनियर

बिजनेस डेस्क (एजेंसी) ।

जहां एक तरफ जेट एयरवेज की खराब आर्थिक हालत से उबरने की कोशिश में हैं तो वहीं दूसरी तरफ इसकी प्रतिद्वंद्वी कंपनी स्पाइसजेट इस मौके को पूरी तरह भुनाने में लगी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, जेट एयरवेज के इंजीयनियरों व पायलटों को स्पाइसजेट बेहद कम वेतन पर नौकरी देने का प्रस्ताव दे रही है। खबर के अनुसार पायलटों को जेट ऐयरवेज में उनके पैकेज से 30 फीसदी तक कम वेतन ऑफर किया जा रहा है। वहीं इंजीनियरों को 50 फीसदी तक पैकेज पर नौकरी देने की बात कही जा रही है। कुछ समय पहले तक स्पाइसजेट व अन्य कंपनियां इन्हीं पायलटों व इंजीनियरों को बेहतर पैकेज के साथ कई तरह के भत्ते व बोनस का भी ऑफर कर रही थीं। जेट ऐयरवेज के कर्मियों में यह डर बना हुआ है कि कहीं कंपनी बंद हो गई तो उनका क्या होगा। ऐसे में वो कम पैकेज पर भी कंपनी बदलने को तैयार हो रहे हैं। विमानन उद्योगों के कुछ जानकारों का मानना है कि जेट एयरवेज के कर्मचारियों को इंडस्ट्री के औसत की तुलना में कुछ अधिक अच्छे पैकेज मिल रहे थे।

खबरों के अनुसार वर्तमान समय में सीनियर एयरक्राफ्ट मेंटिनेंस इंजीनियर को जेट ऐयरवेज में जहां 04 लाख तक का पैकेज मिल रहा था। इन्हें स्पाइसजेट में 1.50 से 2 लाख रुपए तक का पैकेज ऑफर किया जा रहा है। हालांकि जेट ऐयरवेज के कर्मियों को अभी भी उम्मीद है कि शायद कंपनी को जल्द ही निवेशक मिल जाएंगे और उनकी नौकरियां सुरक्षित बनी रहेंगी। खबरों के अनुसार विमानन कंपनियां जेट के पायलटों से नौकरी देने के साथ ही तीन से पांच साल का कांट्रेक्ट करने का भी ऑफर कर रही हैं। जिसे पायलट स्वीकार नहीं करना चाहते। जेट ऐयवरेज के एक वरिष्ठ पायलट के अनुसार जेट ऐयरवेज में कर्मचारियों को समय पर वेतन न मिलने से लोगों की मुश्किल बढ़ रही है।

समय पर नहीं लगाए 2 ड्रैसिंग रूम्ज व किचन, अब गोदरेज इंटीरियो देगा हर्जाना

होशियारपुर (एजेंसी) ।

जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम ने गोदरेज इंटीरियो के अधिकृत डीलर न्यू लुक इंटीरियल गवर्नमैंट कालेज चौक फगवाड़ा रोड व गोदरेज इंटीरियो मुम्बई को समय पर उपभोक्ता के 2 ड्रैसिंग रूम्ज व किचन नहीं लगाने पर हर्जाना व राशि 12 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया। डा. लखबीर सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह निवासी मोहल्ला न्यू दीप नगर ने 9 अप्रैल 2018 को फोरम के समक्ष दायर शिकायत में कहा था कि उसने 2 नए ड्रैसिंग रूम्ज व एक किचन दसूहा में लगवाने के लिए गोदरेज इंटीरियो फिटिंग्ज का ऑर्डर दिया था। उन्हें 3 लाख रुपए का एस्टीमेट बनाकर दिया गया। 1.50 लाख रुपए एडवांस मांगे गए।

उसने 1.39 लाख रुपए की अग्रिम राशि 9 अक्तूबर 2017 को कम्पनी को अदा कर दी थी, जिसकी रसीद उसे दे दी गई थी। उसे विश्वास दिलाया गया कि मॉडर्न किचन व ड्रैसिंग रूम्ज 15 दिन के अंदर-अंदर लगा दिए जाएंगे। उसके भतीजे का विवाह 25 दिसम्बर 2017 को था। वह चाहता था कि ये ड्रैसिंग रूम्ज व किचन वह उसके विवाह पर उपहार के तौर पर दे। 15 दिन बाद भी किचन व ड्रैसिंग रूम बनाने का काम शुरू न किया गया और हर बार यही कहा गया कि अभी मैटीरियल प्राप्त नहीं हुआ। दिसम्बर 2017 के दूसरे सप्ताह में फिटिंग के लिए जो सामान लाया गया वह घटिया किस्म का था। जब उसने यह सामान लगाने से मना कर दिया तो दूसरे दिन पुनः सामान लाने का वायदा किया गया लेकिन सामान दोबारा नहीं लाया गया। 25 दिसम्बर को उसके भतीजे का विवाह भी हो गया। इसके पश्चात उसे 5 जनवरी 2018 को उस द्वारा दी गई राशि का चैक दिया गया जो इनसफीशिएंट फंड्ज होने के चलते पास नहीं हुआ।

पेट्रोल, डीजल के दाम फिर बढ़े

नई दिल्ली, (एजेंसी) ।

पेट्रोल और डीजल के दाम में एक दिन की स्थिरता के बाद रविवार को फिर वृद्धि दर्ज की गई। पेट्रोल के दाम में जहां छह पैसे प्रति लीटर का इजाफा हुआ, वहीं डीजल के दाम में सात से आठ पैसे प्रति लीटर की वृद्धि दर्ज की गई। उधर, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में आई हालिया तेजी के बाद पेट्रोल और डीजल के दाम में आगे और इजाफा होने की संभावना बनी हुई है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में रविवार को पेट्रोल के दाम बढ़कर क्रमशः 72.92 रुपये, 74.94 रुपये, 78.49 रुपये और 75.68 रुपये प्रति लीटर हो गए। डीजल के दाम नई वृद्धि के बाद चारों महानगरों में क्रमशः 66.26 रुपये, 68 रुपये, 69.35 रुपये और 69.96 रुपये प्रति लीटर दर्ज किए गए। दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई में डीजल के दाम में सात पैसे, जबकि मुंबई में आठ पैसे प्रति लीटर की वृद्धि दर्ज की गई। इससे पहले शनिवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। ब्रेंट क्रूड का भाव इस सप्ताह 71 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना रहा और डब्ल्यूटीआई का भाव भी 64 डॉलर प्रति बैरल के करीब बना रहा। सप्ताह के अंतिम कारोबारी सत्र में अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई) पर ब्रेंट क्रूड का जून डिलीवरी अनुबंध 0.97 फीसदी की तेजी के साथ 71.52 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।अमेरिकी लाइट क्रूड वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) का मई डिलीवरी अनुबंध पिछले सत्र के मुकाबले 0.35 फीसदी तेजी के साथ 63.80 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली सर्राफा समीक्षाः लगातार दूसरे सप्ताह चमका सोना

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर दोनों कीमती धातुओं में नरमी के बीच स्थानीय जेवराती मांग आने से दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना गत सप्ताह 30 रुपए चमककर 32,820 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। चांदी 320 रुपए की गिरावट में 38,180 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। लंदन एवं न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार, बीते सप्ताह सोना हाजिर 1.05 डॉलर टूटकर 1,290.30 डॉलर प्रति औंस रह गया। जून का अमेरिकी सोना वायदा 0.80 डॉलर की साप्ताहिक गिरावट में 1,293.50 डॉलर प्रति औंस बोला गया। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा वैश्विक आर्थिक विकास का अनुमान घटाने से सप्ताह के बीच में सोने में तेजी आई थी और यह 1,300 डॉलर के पार पहुंच गया था लेकिन बाद में अमेरिकी रोजगार और उत्पादन के सकारात्मक आंकड़े आने से पीली धातु पर दबाव बढ़ गया। आलोच्य सप्ताह में चांदी हाजिर 0.15 डॉलर फिसलकर सप्ताहांत पर 14.94 डॉलर प्रति औंस रह गई।

नीरव मोदी की लग्जरी और नॉन लग्जरी कारों की होगी नीलामी

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक घुटाला के मुख्य अरोपी नीरव मोदी की लग्जरी कारों की नीलाके के लिए मंजूरी मिल गई है। कारों की लिस्ट में 1.38 करोड़ रुपए की रोल्स रॉयस घोस्ट से लेकर 2.38 लाख रुपये की होंडा ब्रियो तक शामिल है। नीरव मोदी पर पीएनबी बैंक साथ करीब 13 हजार करोड़ रुपए की गड़बडी अरोप है। जिससे उसने 100 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की शेयर, जमा और लग्जरी कारें फ्रीज कर दी थीं। ईडी का कहना है कि हम भगोड़े नीरव मोदी से लगभग 12,500 करोड़ रुपये की राशि वसूलना चाहते है। जिससे नीरव मोदी द्वारा पंजाब नेशनल बैंक से अवैध तरीकों से लिए कर्ज को पूरा किया जा सके। इसलिए नीरव मोदी की कुल 13 कारों की नीलामी एक पब्लिक प्लेफॉर्म मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड के जरिए होगी। एमएसटीसी एक राज्य की स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी है। जिसे इन व्हीकल की नीलामी का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। इन सारी गाड़ियों के लिए एक बेस प्राइस रखी गई है और नीलामी इसी कीमत से शुरू होगी। और खरीदने के चाहवान लोग व्हीकल्स को ऑनलाइन बोली लगाकर खरीद सकते हैं। इन कारों की बोली लगाने से पहले प्री-बिड अमाउंट जमा करना और रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य होगा।जो बोलीदाता असफल रहेंगे उन्हें नीलामी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बिड अमाउंट रूञ्जस्ट के जरिए वापस मिल जाएगा.इसके बाद 21 अप्रैल से लेकर 23 अप्रैल के बीच कारें इंस्पेक्शन के लिए मौजूद होंगी। लेकिन इनकी टेस्ट ड्राइव नहीं की जा सकेगी, क्योंकि ईडी के पास जानकारी नही है कि वर्तमान में कारें कहां हैं। लेकिन ईडी को उम्मीद है कि ये वर्ली के समुद्र महल परिसर होंगी, जहां नीरव मोदी 2018 तक रहता था।

केंद्रीय बैंकों की स्वतंत्रता से अबतक मिले अच्छे परिणामः आईएमएफ

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की प्रमुख क्रिस्टिन लेगार्द ने शनिवार को कहा कि सरकारों की ओर से केंद्रीय बैंकों की स्वतंत्रता का सम्मान किए जाने के परिणाम अच्छे रहे हैं। लेगार्द की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब विश्व के कई देशों में केंद्रीय बैंकों को सरकार के दबाव का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपित डोनाल्ड ट्रम्प ने फेडरल रिजर्व के पिछले साल नीतिगत ब्याज दर बढ़ाने के फैसले को लेकर उस पर हमला किया था। उन्होंने फेडरल रिजर्व के केंद्रीय निदेशक मंडल में रिक्तियों को भरने के लिए अपनी पार्टी रिपब्लिकन के वफादरों को नामित किया था। विश्वबैंक और मुद्राकोष की यहां ग्रीष्मकालीन बैठक के समापन के मौके पर लेगार्द ने कहा कि केंद्रीय बैंक के अधिकारियों ने जनता के प्रति जवाबदेह होने के साथ ही निर्णय लेने में पारदर्शी रहने तथा नीतियों की जानकारी देने में स्पष्ट रहने की जरूरत पर बल दिया है। उन्होंने कहा, ''उनमें से सभी यही कह रहे थे कि हमें विश्वासनीय बने रहने के लिये इन मानकों की जरूरत है। स्वतंत्रता ने अभी तक अच्छे परिणाम दिये हैं और उम्मीद है कि आगे भी अच्छे परिणाम मिलते रहेंगे।''

आर.बी.आई. का खुलासाः मोदी सरकार में बैंकों के डूब गए रुपए 5. 55 लाख करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

सरकारी बैंकों को डूबने से बचाने के लिए टैक्सपेयर्स के पैसे से पूंजी उपलब्ध कराने वाली मोदी सरकार के कार्यकाल में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। एक आर.टी.आई. के जवाब में भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) ने खुलासा किया कि मोदी सरकार के 5 साल में सरकारी बैंकों ने करीब 5 लाख 55 हजार 603 करोड़ रुपए के बैड लोन को राइट ऑफ कर दिया है, यानी बैंकों की इतनी बड़ी राशि डूब गई है। सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) के जवाब में आर.बी.आई. ने कहा है कि बीते 10 साल में बैंकों ने करीब 7 लाख करोड़ रुपए के बैड लोन को राइट ऑफ किया है। इसका करीब 80 प्रतिशत हिस्सा मोदी सरकार के 5 साल के कार्यकाल यानी अप्रैल 2014 से दिसम्बर 2018 के बीच राइट ऑफ किया गया है। आर.बी.आई. की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार अप्रैल 2014 के बाद से करीब 5 लाख 55 हजार 603 करोड़ रुपए के बैड लोन को राइट ऑफ किया गया है।

राइट ऑफ का मतलब है कि ऐसा लोन जिसके चुकाए जाने की उम्मीद खत्म हो जाती है और उसे बैलेंस शीट से हटा दिया जाता है। बैंक अपनी बैलेंस शीट को साफ-सुथरा रखने के लिए ऐसे बैड लोन को राइट ऑफ कर देते हैं। बैंक के सूत्रों का कहना है कि व्यक्ति विशेष के मामले में कर्ज लेने वाले लोगों और राइट ऑफ किए गए लोन की रकम के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। बैंक यह दावा करते हैं कि राइट ऑफ के बावजूद रकम की रिकवरी के प्रयास चलते रहते हैं। हालांकि सूत्रों का कहना है कि 15 से 20 प्रतिशत से ज्यादा रकम की रिकवरी नहीं हो पाई है। वहीं आर.बी.आई. के आंकड़ों से साबित होता है कि बैड लोन की रकम कम दिखाने के लिए बैंकों में होड़ लगी रही और 2016-17 में 1,08,374 करोड़ और 2017-18 में 1,61,328 करोड़ के बैड लोन को राइट ऑफ किया गया।

टीडीपी का ऐप बनाने के लिए आईटी कंपनी ने 7.8 करोड़ लोगों के आधार डेटा चुराया

हैदराबाद (एजेंसी) ।

देश में पिछले कुछ समय से लोगों के आधार डेटा के चुराने की खबरें सामने आती रहती हैं। इसी कड़ी में साइबराबाद में एक नया मामला सामने आया है। यहां सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी आईटी ग्रिड्स (इंडिया) के द्वारा लोगों का आधार डेटा चोरी करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार यह कंपनी लोगों के डाटा का इस्तेमाल तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) का सेवा मित्र ऐप डिवेलप करने के लिए कर रही थी। सूत्रों के अनुसार, ये डेटा एक रिमूवेबल स्टोरेज में रखे गए थे, जो आधार ऐक्ट का उल्लंघन है। संदेह है कि कंपनी ने यह डेटा गैर-कानूनी ढंग से हासिल किए हैं, जिसके बाद इस मामले को एसआईटी को स्थानांतरित किया जा सकता है, जो कथित डेटा चोरी के मामलों की जांच कर रही है। आईटी कंपनी के ऑफिस से मिले हार्ड डिस्कों के विश्लेषण के बाद यह बात सामने आई है कि कंपनी के पास तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के 7.8 करोड़ से अधिक निवासियों के आधार से संबंधित आंकड़े हैं। इस डेटाबेस की संरचना और साइज ठीक उसी तरह है, जैसा कि के पास होता है। जिसके बाद की शिकायत पर साइबराबाद पुलिस में सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी आईटी ग्रिड्स (इंडिया) के खिलाफ तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के निवासियों का गैर-कानूनी ढंग से आधार डेटा रखने का मामला दर्ज किया है। आपको बता दें कि दोनों राज्यों की आबादी लगभग 8.4 करोड़ है। वहीं, इस मामले पर टीडीपी ने सफाई देते हुए कहा है कि आधार के कच्चे डेटा तक उनकी पहुंच नहीं है और उनका इस्तेमाल केवल कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की पुष्टि के लिए किया जा रहा था। यूआईडीएआई के डिप्टी डायरेक्टर टी. भवानी प्रसाद ने इस शिकायत में कहा, अब तक की जांच से यह सामने आया है कि सेवा मित्र ऐप संदेहास्पद रूप से वोटर प्रोफाइलिंग, टार्गेटेड कंपेनिंग और यहां तक कि मतदाताओं का मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के वोटरों की चुराई गई सूचनाओं तथा आधार डेटा का इस्तेमाल कर रहा था। आईटी ग्रिड के ठिकानों पर तलाशी ली गई, जिस दौरान सात हार्ड डिस्क और अन्य डिजिटल सबूतों को जब्त किया गया है। जब इन गैजेट्स को टीएसएफएसएल के पास जांच के लिए भेजा गया, तो उन्होंने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया कि उनमें भारी मात्रा में डेटा हैं और उनका व्यापक स्तर पर विश्लेषण करने की जरूरत है। भवानी प्रसाद ने कहा, टीएसएफएसएल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि जब्त किए गए हार्ड डिस्क में भारी तादाद में लोगों के आधार से जुड़े आंकड़े हैं। आगे जांच करने पर पता चला कि उसमें 78,221,397 लोगों के आधार से जुड़े आंकड़े हैं।

एसबीआई ने योनो ऐप के जरिए शुरु की कार्डलेस विदड्रॉल सुविधा

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने योनो ऐप बना कर अपने ग्राहकों को नई सुविधा प्रदान की है।जिससे ग्राहक बिना डेविट कार्ड के एटीएम से कैश निकाल सकते है। एसबीआई के अलावा, निजी क्षेत्र के दो बैंक आईसीआईसीआई और एक्सिस बैंक भी ऐसी सुविधा प्रदान करते हैं। लेकिन एसबीआई का पैसे निकालने का तरीका बेहद सुविधाजनक है, और बैंक की कुछ सीमाएं हैं। योनो ऐप एसबीआई की मोबाईल बैंकिंग और लाइफस्टाइल ऐप है। इसका का इस्तेमाल खरीदारी, बिल भुगतान, रिचार्ज, यात्रा टिकट बुक करने के लिए और यूपीआई माध्यम से पैसे ट्रांसफर करने के लिए डिजीटल लेनदेन किया जा सकता है। इसके इलावा योनो के नए वर्जन में नकदी निकासी की सुविधा प्रदान की गई है। इससे ग्राहक एसबीआई के एटीएम से बिना डेबिट कार्ड के पैसे निकाल सकते हैं।देश में 16,500 एटीएम पर कार्डलेस पेमेंट सुविधा प्रदान की गई है। योनो का इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले योनो ऐप को डाउनलोड करना होगा। जिसको ग्राहक अपने नेट बैंकिंग आई तथा पासवर्ड और मोबाइल पर्सनल आइडेंटिफिकेशन (एमपीआईएन) की मदद से लॉग इन कर सकते हैं। इसके इलावा ग्राहक एसबीआई योनो वेबसाइट पर अपने नेट बैंकिंग यूजर आईडी तथा पासवर्ड की सहायता से लॉग इन कर पैसे निकाल सकते है। योनो पर ट्रांजेक्शन के लिए 6 अंको का कैश पिन ऐप पर दर्ज करना होगा। यह 6 अंकों की संख्या एमएमएस के माध्यम से मिलेगी। जोकि यूजर को एटीएम मशीन में दर्ज करनी होगी। इन 6 अंको की समयावधि अधिकतम 30 मिनट तक की होगी। एसबीआई के एटीएम से पैसे निकालने के लिए आपको इसके योनो ऐप का इस्तेमाल करना होगा है।बैंक का कहना है कि पैसे भेजने वाला व्यक्ति प्रति ट्रांजैक्शन 10 हजार रुपये, एक दिन में 20,000 रुपए और एक महीने में 25,000 रुपए ट्रांसफर कर सकता है। इस सुविधा के लिए प्रति ट्रांजैक्शन 25 रुपए का शुल्क अकाउंट से कटता है,।

एसबीआई के करोड़ों ग्राहकों के लिए खबर, 1 मई से बदल जाएंगे ब्याज के नियम

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

अगर आपका खाता भी एसबीआई में है तो यह खबर आपके लिए बहुत अहम है. एसबीआई की नई व्यवस्था का असर सेविंग अकाउंट पर मिलने वाली ब्याज दर पर पड़ेगा. दरअसल ने अपने डिपॉजिट और लोन की ब्याज दर को की बेंचमार्क दर से जोड़ दिया है. ऐसे में मई से एसबीआई सेविंग अकाउंट पर मिलने वाले ब्याज में बदलाव हो जाएगा. देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने पिछले दिनों होम लोन में 5 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है. नई व्यवस्था के तहत 1 लाख से ज्यादा के जमा और लोन की ब्याज दरों को रेपो रेट से जोड़ा गया है. अब रेपो रेट चेंज होने का असर बैंक की जमा और लोन की दर पर पड़ेगा. नई व्यवस्था के तहत 1 मई से बचत खातों पर कम ब्याज मिलेगा. के ग्राहकों को 1 मई से सेविंग अकाउंट पर 1 लाख रुपये तक रखने पर 3.5 प्रतिशत ब्याज मिलेगा. अकाउंट में एक लाख से ज्यादा होने पर ब्याज की दर 3.25 प्रतिशत हो जाएगी. आपको बता दें कि एसबीआई ने 1 लाख से ज्यादा की धनराशि वाले सभी कैश क्रेडिट और ओवरड्राफ्ट अकाउंट को रेपो रेट से जोड़ दिया है. रिजर्व बैंक की ओर से रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाहंट की कटौती की गई थी. इसके बाद बैंक ने नई व्यवस्था लागू की है. पिछले दिनों ग्राहकों ने शिकायत की थी कि आरबीआई की तरफ से रेपो रेट में कमी करने का फायदा ग्राहकों को नहीं मिलता. नई व्यवस्था लागू होने से अब ब्याज दर में कमी का सीधा फायदा ग्राहकों को होम लोन, कार लोन और अन्य प्रकार के लोन पर मिलेगा. साथ ही सेविंग अकाउंट पर मिलने वाले ब्याज दर पर भी असर पड़ेगा. एसबीआई में 1 लाख से कम के लोन और जमा मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट से जुड़े रहेंगे. ऐसे में छोटे ग्राहक बाजार में हो रही उठापटक से बचे रहेंगे. एसबीआई नई व्यवस्था में 1 मई से एक लाख रुपये से ज्यादा के सभी सेविंग अकाउंट में और शॉर्ट-टर्म लोन के बेंचमार्क रेपो रेट से जोड़ दिए जाएंगे. हाल ही में आरबीआई ने रेपो रेट घटाकर 6 प्रतिशत किया है. रेपो रेट के आधार पर आरबीआई बैंकों को लोन देता है. इसके आधार पर बैंकों की पूंजी पर लागत घटती बढ़ती रहती है. दूसरी तरफ बचत खाते की दर रेपो रेट से लगभग 2.75 फीसदी कम रहेंगी. 1 लाख से ज्यादा के छोटी अवधि के लोन पर रेपो रेट से 2.25 फीसदी अधि क ब्याज होगा. ऐसा पहली बार है जब किसी बैंक ने इस तरह से बचत, छोटे कर्ज और जमा की दरों को सीधे रेपो रेट के साथ लिंक किया है।

फर्जी खबरें फैलाने वाले हो जाएं सावधान, यूजर्स के वॉट्सऐप पर नंबर ब्लॉक होने शुरू

नई दिल्ली । वॉट्सऐप यूजर्स के लिए जरुरी खबर है। चुनावी दिनों के दौरान फर्जी खबरें या आपत्तिजनक कॉन्टेंट को फैलने से रोकने के लिए वॉट्सऐप ने बड़ा कदम उठाया है। चुनाव आयोग के आदेश पर वॉट्सऐप ने उन मोबाइल नंबर्स को ब्लॉक करना शुरू कर दिया है जो चुनाव संबंधी फर्जी खबरें या आपत्तिजनक कॉन्टेंट फैला रहे हैं। सूत्रों के अनुसार वॉट्सऐप ने इस क्रम में पहला वॉट्सऐप नंबर 11 अप्रैल को मतदान से पहले डिऐक्टिवेट किया गया था। भारतीय चुनाव आयोग ने हाल ही में हुई मीटिंग के दौरान कहा था कि वॉट्सऐप ऐसे फोन नंबरों पर लगाम लगाएं जोकि चुनावी दिनों के दौरान फर्जी खबरें या आपत्तिजनक कॉन्टेंट को शेयर करते है। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि वॉट्सऐप के अलावा, 500 फेसबुक पोस्ट, लिंक और ट्विटर के दो पोस्ट मतदान के पहले चरण से 48 घटे पहले की अवधि के दौरान हटा दिए गए थे। गौर हो कि हाल ही में सोशल मीडिया कंपनियों ने आपत्तिजनक कॉन्टेंट को डिलीट करने और राजनीतिक विज्ञापन में पारदर्शिता लाने के लिए एक स्वैच्छिक संहिता का पालन करने के लिए सहमति व्यक्त की थी। इसके बाद सबसे बड़ी चिंता इस बात को लेकर थी कि आखिर वॉट्सऐप पर यह नियम कैसे लागू हो पाएगा। क्योंकि चुनाव आयोग द्वारा भेजे गए आपत्तिजनक कॉन्टेंट को फेसबुक और ट्विटर से हटा दिया जाता है, लेकिन वॉट्सऐप एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन द्वारा सुरक्षित होता है। ऐसे में वॉट्सऐप के पास इन नंबरों को ब्लॉक करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है।

सी.आर.पाटिल द्वारा सचिन में रैली कर ली शुभेच्छा मुलाकात

सी.आर. पाटिल हेट्रिक करेंगे या फिर 19,40,700 मतदाता अन्य को सेवा का अवसर देंगे ?

25 नवसारी लोकसभा सीट पर फिर मोदी सरकार!

सूरत। नवसारी 25 ससंदीय सीट के प्रत्याशी सी.आर. पाटिल पुन: तीसरी बार हैट्रीक के लिए चुनाव मैदान में आ गये है। फिर एक बार मोदी सरकार के नारे के साथ सचिन विस्तार की गलियों में शुभेच्छा मुलाकात की। दूसरी तरफ कांग्रेस की तरफ से नवसारी जलालपोर के पूर्व प्रमुख धर्मेश भाई पटेल कांग्रेसी उम्मेदवर है। भाजपा के समक्ष कांग्रेस ने कोली पेटल कार्ड लगाकर संसदीय चुनाव को बड़ा ही रसप्रद बना दिया है।

भाजपा में भी कोली पटेलों का मामला उठा था पर मोदी की विश्वसनीय सी.आर. पाटिल ने टिकट पाने में जिस तरह हैट्रिक बनायी है सम्भव है कि उसी तरह पुन: एम.पी. बनने की भी हैट्रिक बना दे, यह तो फैसला 19,40,700 मतदाता ही करेंगे। दूसरी तरफ कोली समाज के कुल 4,75,000 मतों देख कर कांग्रेस के अग्रणियों ने धर्मेश भाई पटेल ने नवसारी 25 संसदीय सीट का उम्मीदवार बनाया। इस तरह दोनों तरफ चुनावी जंग शुरु हो चुका है। मतदाताओं को प्रत्याशी अपने ढंग से रिझायेंगे इसमें कोई शक नहीं है। 2009 में अस्तित्व में आई 25 नवसारी संसदीय बैठक पर सी.आर. पाटिल का अस्तित्व कितना है ये इनके काम से मतदाताओं अन्दाजा लगा रहे थे। ऐसे विचार करे तो 2017 की 7 विधान सभा ये भाजपा के पास थी जिसमें लिम्बायत उधना, मजूरा चौर्यासी जलालपोर नवासारी और गणदेवी तो अभी लोकसभा पर प्रभुत्व कि सका? ये अब समय बतायेगा। आज सचिन में सवेरे ठीक 10.30 बजे सचिन कणदे पारड़ी के गोगा महाराज मंदिर में दो बार के सांसद एवं तीसरी बार टिकट प्राप्त करने में हैट्रिक करने वाले चन्द्रकान्त रघुनाथ पाटिल यानि सी.आर. पाटिल अपने प्रचार के लिए आ गये थे। इस के पहले पत्रकारों ने अनेकों प्रश्न पूछे जिसमें जवाब मिला कि सी.आर. पाटिल संसद की बैटिंग में हैट्रिक मारेंगे ऐसा मनोज सिह सोलंकी प्रमुख सचिन नगर पालिका ने कहा। हम तो घर-घर जाते है पर कांग्रेस वाला कही भी दिखाई नहीं देता। जबकि कारोबारी चैयरमैन उमेशभाई पी. पटेल कहते है कि यहां सेंट्रल लेवल के प्रश्नों में खास फास्ट ट्रेन रेल्वे स्टोपेज का है। इन्होंने ये भी कहा कि पाड़ी में गांधी स्मारक टूरिजम स्थल बनता जा रहा है। जिसमें छोटे गांवों के लोग नौकरी के लिए शहर आने के बजाए स्मारक के पास ही छोटा बड़ा व्यापार करके कमाई कर रहे है। जिससे विभिन्न रोजगार प्राप्त हो रहे है।

सूरत। बाबा साहेब अम्बेडकर की 128वीं जन्म जयन्ती पर पान्डेसरा नागसेन नगर से रिंग रोड़ अम्बेडकर की प्रतिमा तक रैली का आयोजन किया गया।

जिलानी ओवर ब्रिज वेड़ दरवाजे के पास सोने की चेन गले से खीच चोर फरार

सूरत। रविवार को सूरत शहर के लालगेट पुलिस स्टेशन विस्तार के जिलानी ओवर ब्रिज पर काले कलर की एफ. जेड जैसी बाइक पर सवार दो चोरों ने फरियादी के गले से लगभग दो तोला सोने की चेन खीच कर फरार हो गए। लालगेट पुलिस स्टेशन की सूचनानुसार फरियादी द्विवेश भाई दिनेश भाई धरु निवासी घर नं. 1 इशिता पार्क रो हाउस अडाजण दरगाह ने 14-4-2019 में शिकायत दर्ज करायी है। कि दिनांक 13-4-2019 रात लगभग 10.30 से 10.45 के बीच वे जिलानी ओवर ब्रिज पर जा रहे थे कि वेड दरवाजे के पास उतरते समय के काले रंग की एफ.जेड जैसी बाइक पर दो युवक पीछे से आये और पीछे बैठे युवक ने उनके गले से 2 तोले की सोने की चेन कीमत लगभग 55000 रुपए का मुद्दामाल खीच कर फरार हो गए। सूरत में इस तरह की छीना झपटी की घटनाए इन दिनों बढ गयी है। ऐसा लगता है कि चोरो के मन से पुलिस का डर ही नहीं रह गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है मामले की जांच पु.स.इं. जे. एम. चौहाण कर रहे है।

सूरत शहर एवं जिला में मतदान जागृति अभियान से एक वर्ष में मतदाता सूची में नये एक लाख मतदाता जुड़ेः जिला चुनाव अधिकारी

वोट करने युवा अभियान अंतर्गत, लोकतन्त्र, चुनाव प्रक्रिया तथा युवानों पर टाक-शो आयोजित

सूरत। रविवार को भारतीय चुनाव आयोग एवं अग्रवाल विकास ट्रस्ट के संयुक्त उपक्रम में लक्ष्मी पति ग्रुप के सहयोग से सिटीलाइट के अग्रसेन भवन में वोट करेगा युवा अभियान के तहत टाकशो का आयोजन किया गया। जिसमें जिला कलेक्टर सूरत एवं जिला चुनाव अधिकारी सुरत डा. धवल पटेल की उपस्थिति में विद्वान वक्ताओं ने लोकतन्त्र, युवानों एंव चुनाव प्रक्रिया पर विस्तृत विचार विमर्श कर युवानों के साथ प्रश्नोतरी का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कलेक्टर डा. धवल पटेल ने बताया कि मतदाता सूची में 18 वर्ष पूरा करने वाले सभी युवकों का नाम दर्ज हो एवं उन्हें सवैधानिक मतअधिकार प्राप्त हो सके इसके लिए शहर एवं जिला में इस वर्ष के बीच अनेकों प्रयास किए गए जिसके परिणाम स्वरुप 31 जनवरी के बाद सूरत जिला में प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर मतदाता सूची में एक लाख नये मतदाता दर्ज किए गए। चुनावों में पारदर्शिता लाने के लिए ही केन्द्रीय चुनाव आोयग का मुख्य उद्देश्य है। 2012,2014 और उसके बाद चुनाव प्रक्रिया में अनेक सुधार लाये गए जिसके उम्मीदवारों के चुनाव खर्च पर निरीक्षण, चिन्ह एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया का मानीटरिंग, पेड न्युज जैसे पहलुओं पर गंभीरता से कार्यवाही उसी में शुरु की गयी। ऐसा उन्होंने सूचित किया। कलेक्टर डा. धवल पटेल ने कहा कि प्रथम वार मतदान करने वाले मतदाताओं में भी एक नये उत्साह कर वातावरण है।

2019 के लोकसभा चुनावों में पहली बार मतदान करने से देश के विकास में मेरा भी योगदान रहेगा इसी आशा में युवानों में विशेष उत्साह है। सभी योग्य नागरिकों को उनका अधिकार मिले इसी लिए मतदाता सूची में उनका नाम दर्ज होना आवश्यक था। 18 वर्ष पूर्ण करने वाले सभी नवयुवकों से अपील की थी कि वे मतदाता सूची यथाशीघ्र नाम दर्ज कराये। शिक्षण विद्र मोटीवेटर, लेखक और सी.ए. रवि छावछरिया ने युवकों को पारसमणि की तुलना कर लोकतन्त्र में मजबूत होने के साथ युवावर्ग देश के लोकतन्त्र के प्राण के समान है। लोकतन्त्र की प्रक्रिया सत्ता तन्त्र को सतर्क रखता है। युवकों को देश में रे लिये क्या कर सकता है के बजाय देश के लिए मैं क्या कर सकता हूं जैसा जीवन मंत्र होना चाहिए। के. पी. कामर्स कालेज के प्रोफेसर डा. पूर्वी कोणरी ने बताया कि लोकतंत्र को जीवित रकने के लिए भारत जैसे देश में करोड़ों नागिरक जागृत हुए है। विशेष रुप से देश का युवाधन अन्य लोगो के लिए प्रेरणारुप है। जो देश के विकास के लिए एक अच्छा संकेत है। युवान स्वयं मतदान करें साथ ही समाज में भी मतदान जागृति का संदेश दे ऐसा ही उन्होने युवकों से अनुरोध किया है।

कलेक्टर सूरत एवं अन्य वक्ताओं की उपस्थिति में युवकों के साथ प्रश्नोत्तरी आयोजित कर विभिन्न प्रश्नों एवं उलझनो के सन्दर्भ में उपयुक्त मार्ग दर्शन किया गया। युवास संस्था के युवा विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन कर गीत संगीत के माध्यम से मतदान के महत्व को समझाकर लोग्गी को मन्त्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी ने आगामी लोकसभा चुनावों में अपने मताधिकार का उपयोग कर मतदान करवाने की सामूहिक शपथ किया.

इस प्रसंग में लक्ष्मीपति ग्रुप के चेयरपर्सन संजय सरावगी, अग्रवाल विकास ट्रस्ट के उप प्रमुख राहुल अग्रवाल सहित भारी संख्या में युवक एव नागरिक उपस्थित रहे।

शराब पार्टी में पुलिस का छापा, तीन युवतियों समेत 10 धरे गए

अहमदाबाद । शहर के वस्त्रापुर क्षेत्र में चल रही एक शराब पार्टी में छापा मारकर पुलिस ने तीन युवतियों समेत 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए सभी लोग शराब के नशे में धुत्त थे। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के वस्त्रापुर क्षेत्र के रिजन्ट पार्क नामक बंगले की छत पर शराब पार्टी चल रही होने की सूचना स्थानीय पुलिस को मिली थी।

जिसके आधार पर वस्त्रापुर पुलिस ने शराब पार्टी में छापा मारा। जहां 3 युवती समेत 10 लोग शराब का सेवन कर रहे थे। पुलिस ने घटनास्थल से 2 शराब की बोतलें बरामद की हैं।

क्रिकेट रविन्द्र जाड़ेजा की बहन और पिता ने कांग्रेस जॉइन की

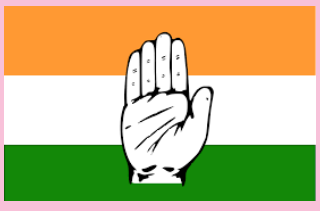

जामनगर । टीम इंडिया के क्रिकेटर रविन्द्र जाडेजा की बहन और पिता कांग्रेस में शामिल हो गए। जामनगर के कालावड में आयोजित सभा में हार्दिक पटेल की उपस्थिति में जाडेजा की बहन और पिता ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया। बता दें कि पिछले महीने रविन्द्र जाडेजा की पत्नी रीवाबा जाडेजा ने भाजपा जॉइन की थी और उन्हें जामनगर से उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चा भी थी। कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हार्दिक पटेल की जामनगर में जनसभा थी। जहां रविन्द्र जाडेजा की बहन नयनाबा जाडेजा अपने पिता अनिरुद्ध जाडेजा के साथ पहुंच गई। जहां उन्होंने कांग्रेस का पटका धारण कर लिया। नयनाबा के कांग्रेस में शामिल होने से जामनगर की राजनीति गरमा गई है। गुजरात लोकसभा चुनाव के लिए मतदान के आडे चंद दिन शेष रह गए हैं ऐसे में रविन्द्र जाडेजा की पत्नी रीवाबा जाडेजा भाजपा का प्रचार कर रही हैं, वहीं अब उनकी बहन नयनाबा और पिता अनिरुद्ध जाडेजा कांग्रेस के लिए प्रचार करेंगे। एक ही परिवार के लोग अब कांग्रेस और भाजपा में बंट गए हैं। आनेवाले दिनों में एक ही परिवार के सदस्य एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी करते नजर आएं तो आश्चर्य नहीं होगा। उससे पहले नवंबर में रीवाबा और रविन्द्र जाडेजा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ औपचारिक मुलाकात भी की थी और तभी से जामनगर पर सीट रीवाबा के नाम की चर्चा थी। परंतु आखिरकार मौजूदा सांसद पूनम माडम को जामनगर सीट से रिपीट किया गया।

अमित शाह के रोड शो में उमड़ा जन सैलाब

गांधीनगर । गांधीनगर सीट से भाजपा उम्मीदवार अमित शाह के रोड शो में आज जन सैलाब उमड़ पड़ा। गांधीनगर के कलोल में हुए रोड शो में अमित शाह के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जीतु वाघाणी समेत पार्टी के नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कलोल में अमित शाह के रोड शो प्रारंभ अंबेडकर प्रतिमा को पुष्पाजंलि से हुआ। जहां से तीन ऊंगली सर्कल, खूनी बंगला, रेलवे स्टेशन, खमार भवन, टावर चौक, ज्योतिश्वर महादेव, नगर पालिका पुराना फायर स्टेशन गेट, नंदलाल चौक, वखारिया चौराहा, कोब्रा सर्कल, शारदा सर्कल, बोरीसणा अंडरपास, अंबिकानगर, श्री पार्लर होते हुए हनुमानजी के मंदिर पर संपन्न हो गया। इससे पहले अमित शाह ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में दिनभर बैठकें कीं। अहमदाबाद के राणीप, चांदलोडिया, गोता, नारणपुरा और नवा वाडज क्षेत्र के स्थानीय नेताओं के साथ संवाद किया। जिसमें केन्द्र सरकार की 5 साल की उपलब्धियों पर जोर दिया। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार ने देश को मजबूत नेतृत्व दिया है और देश को सुरक्षित किया है। जबकि केन्द्र की यूपीए सरकार पर कमजोर होने का आरोप भी लगाया। रोड शो के बाद राधेजा में अमित शाह गांधीनगर लोकसभा सीट के 12 गांव के पन्ना प्रमुख, सहकारी समितियों के नेता, पेथापुर नगर पालिका के सदस्यों समेत 1500 लोगों के साथ बैठक करेंगे।

समुद्र में फंसे 8 मछुआरों की जान तटरक्षक बल ने बचाई

अहमदाबाद । पश्चिम समुद्र तट पर पानी से भरी एक नौका में फंसे आठ मछुआरों को रविवार को तटरक्षक बलों ने सुरक्षित पोरबंदर पहुंचाया। तट रक्षक बल की एक विज्ञप्ति में बताया गया कि शनिवार की रात को उन्हें 'प्रभु सागर' नाम की एक नौका के मछुआरों की ओर से आपात संदेश मिला था। नाव में आठ लोग सवार थे। तटरक्षक बल का जहाज सी-445 दो घंटे के भीतर पानी से भरी नौका के पास पहुंच गया और उन्होंने बचाव अभियान शुरू कर दिया। नौका में सवार सभी मछुआरों को रविवार को सुबह तड़के तक सुरक्षित पोरबंदर बंदरगाह तक पहुंचा दिया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)